

किसी के पेशाब का चिराग जलना- बहुत प्रतापी होना।

पेशाब खाना पुं. (फा.) पेशाब करने के लिए बनाया गया स्थान, मूत्रालय।

पेशाब घर पुं. (फा.+तद्.) दे. पेशाबखाना।

पेशावर पुं. (फा.) 1. कोई पेशा करने वाला 2. एक प्रसिद्ध नगर का नाम।

पेशी स्त्री. (फा.) पेश होने की स्थिति, सामने आना, उपस्थित होना; न्यायाधीश के सामने मुकदमे का पेश होना, मुकदमे की सुनवाई 2. **स्त्री.** (तत्.) तंतुओं से निर्मित एक सुदृढ़ ऊतक जो संकुचन व शिथिलन के द्वारा शरीर में गति उत्पन्न करता है, मांसपेशी, पुच्छ।

पेशीगतिविज्ञान पुं. (तत्.) प्राणि. मानव-अंगों की गति के संदर्भ में उनके विश्लेषण और क्रिया विधि के सिद्धांतों का अध्ययन।

पेशीतनाव पुं. (तत्.+तद्.) शरीर में स्थित ऊतकों में खिंचाव, अतिसंकुचन, ऐंठन या मरोड़।

पेशीय वि. (तत्.) मांसपेशियों से संबंधित, मांसपेशियों का।

पेशीविकृति स्त्री. (तत्.) (पेशी-विकृति) मांसपेशी में खराबी।

पेशी विज्ञान पुं. (तत्.) शरीर विज्ञान की वह शाखा जिसमें समग्र दृष्टि से (मांस) पेशियों का अध्ययन किया जाता है।

पेशोपस पुं. (फा.) पर्याय- पसोपेश, असमंजस, निर्णय न कर पाने की स्थिति।

पेशतर क्रि.वि. (फा.) दे. पेशतर।

पेष पुं. (तत्.) पीसने की क्रिया, पीसना, पिसाई चूर-चूर करना, कुचलना।

पेषक पुं. (तत्.) पीसने वाला, चक्की वाला।

पेषण पुं. (तत्.) 1. पीसने की क्रिया, पीसना, पिसाई 2. खलिहान का वह स्थान जहाँ अन्न की बालों पर दायँ चलाई जाती है 3. सिल और लोढ़ी, खरल।

पेषणी स्त्री. (तत्.) पर्या. पेषणि, पिसाई का उपकरण, सिल, चक्की, खरल।

पेषणीयता स्त्री. (तत्.) किसी वस्तु के पिसने की क्षमता।

पेस्टल पुं. (अं.) सफेद या रंगीन चूने जैसे पदार्थ की बत्ती जो चित्र बनाने के लिए अथवा चित्रों में रंग भरने के काम आती है पेस्टल ड्राइंग- पेस्टल से बना चित्र, पेस्टल रंग- वह रंग जिसमें पेस्टल का उपयोग हुआ हो pastel

पेहँटा पुं. (देश.) पर्या. पेहूटी (स्त्री.) मक्का आदि के खेतों में होने वाली एक लता जिसका फल सीधे ही खाया जा सकता है और उसकी तरकारी भी बनती है।

पेंच स्त्री. (देश.) 1. धनुष की डोरी 2. मोरी की पूँछ।

पेंचा पुं. (देश.) संदेहात्मक रहस्य का कार्य 2. हेरफेर पर्या. ऐंचा-पेंचा।

पेंजना पुं. (देश.) पर्या. पैजना, पैजनी, पेंजनी पैजनिया 1. पावों में एड़ी के ऊपर पहनने का खोखला कड़ा जिसमें भीतर कंकडियाँ भरी हो 2. ऐसा कड़ा जिसमें छोटी-छोटी घंटियाँ बंधी हों जिनसे चलते समय मधुर ध्वनि निकलती है।

पेंजनिया स्त्री. (देश.) दे. पेंजना।

पेंतरी स्त्री. (देश.) पर्या. पैतरी, चलने-फिरने में सुविधा प्रदान करने वाला पदत्राण, जूता, जूती।

पैंतीस वि. (तद्.+तद्) तीस से पाँच अधिक पुं. तीस से पाँच अधिक की संख्या, 35, आदि।

पैंयाँ स्त्री. (देश.) पर्या. पैयाँ पैर, पाँव, चरण, प्रायः शिशु या छोटे बच्चे के पैर।

पैंसठ वि. (तद्.+तद्.) साठ से पाँच अधिक पुं. साठ से पाँच अधिक की संख्या, 65 आदि।

पै अव्यय (देश.) परंतु, लेकिन, अवश्य, पश्चाद् बाद, पास, ओर, तरफ, ऊपर, पर, से।

पैक पुं. (अं.) 1. गहरी, गट्ठर, पोटला 2. भार, बोझ 3. गट्ठा 4. गड्डी 5. दल, गिरोह 6. झुण्ड